



C/A

भारत का अजापत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्रापिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 105]

मई विल्सो, बृहस्पतिवार, मार्च 5, 1992/फालुन 15, 1913

No. 105] NEW DELHI, THURSDAY, MARCH 5, 1992/PHALGUNA 15, 1913

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

पर्याप्ति और वर्ग मंदिरालय

प्राधिकारिता

नई दिल्ली, 28 फरवरी, 1992

सा.का.गि. 311(म) :—केन्द्रीय सरकार, जल (प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण) उपकर अधिनियम, 1977 (1977 का 36) की धारा 12
द्वारा प्रदत शक्तियों का प्रयोग करते हुए, जल (प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण) उपकर नियम, 1978 का नियोग करते के लिये निम्नलिखित
नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का मंकिष्ट नाम जल (प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण) उपकर संशोधन नियम, 1992 है।

(2) वे राज्यपत्र में प्रकाशन की सारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. जल (प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण) उपकर नियम, 1978 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है), में नियम 4 को
उसके उपनियम (1) के रूप में पुनःसंरचित किया जायेगा और इस प्रकार पुनःसंरचित उपनियम (1) के पश्चात् निम्नलिखित उपनियम अंतःस्पारित
किया जाएगा अर्थात् :—

“(2) यदि उपमोक्ता उपनियम (1) में यथा-विनियिष्ट विवरणी प्रस्तुत करने में असक्त रहता है, तो नियारिग प्राविकारी या इस संबंध में
प्राप्तिकृत अधिकारी प्रह्ल 1क में एक सूचना जारी करेगा।”

3. उक्त नियमों के नियम 6 में, अंत में निम्नलिखित परस्तुक ओड़ा जायेगा, अर्थात् :—

“परस्तु कोई उपमोक्ता रिकेट का हस्तार नहीं होगा, यदि वह—

(क) इन नियमों से मंलग्न पहचान अनुसूची के स्तम्भ (3) में, उसके स्तम्भ (1) में दिये गये विनियिष्ट उद्दोग से संबंधित स्तम्भ (2) में की
तत्स्थानी प्रविट में विनियिष्ट उद्दोगों के प्रवर्ग के लिये, विनियिष्ट अधिकार नामांकन में जल का उपमोग करता है, या

(ख) जल (प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण) अधिनियम, 1974 (1974 का 6) की धारा 25 के उपकरणों में से किसी का या पर्याप्त
(संरक्षण) अधिनियम, 1986 (1986 का 29) के अवैत केन्द्रीय सरकार द्वारा अधिकारित मानकों में से किसी का अनुपालन करने
में असफल रहता है।”

4. उक्त नियमों में, "प्रलेप 1 के उपांकन्ध" के पश्चात् निम्नलिखित प्रलेप अंतःस्थापित किया जायेगा, अर्यात् :—

"प्रलेप 1क"

[नियम 4(2) देखिए]

योर्ड का नाम :—

तारीख

सं.

जल (प्रदूषण निवारण और नियंत्रण) उपकर अधिनियम, 1977 (1977 का 36) की धारा 5(2) के अधीन सूचना सेवा में,

उपभोक्ता का नाम और पता :

निवारण अवधि :

आपसे, जल (प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण) उपकर अधिनियम, 1978 के नियम 4 के उपनियम (1) के साथ पठित जल (प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण) उपकर अधिनियम, 1977 (1977 का 36) की धारा 5 की उपचारा (1) के अंतर्गत यथा-उपलिखित एक विवरणी—मास की 5 तारीख तक देने की अपेक्षा की गई थी;

आप उक्त तारीख तक विवरणी देने में असफल रहे हैं :

अतः, आपसे इस सूचना के प्राप्त होने की तारीख से मात्र दिनों के भीतर विवरणी देने की अपेक्षा को जारी है ;

यदि सात दिन की उक्त अवधि के भीतर कोई विवरणी प्राप्त नहीं होती है, तो आपके विद्युत विधि के अनुसार कोई अन्य विधिक कार्रवाई

स्थान :—

जारी करने वाला प्राधिकारी

तारीख :—

नाम :—

पता :—

5. उक्त नियमों में फार्म-II के पश्चात् निम्नलिखित अनुसूची शामिल की जायेगी, अर्यात् :—

("अनुसूची")

(नियम 6 देखिए)

उद्दोग का नाम	प्रयोग	जल की अधिकतम मात्रा
(1)	(2)	(3)
1. लौह धातुकर्म	समाकलित लौहा तथा इस्पात	प्रति टन परिलिपित इस्पात के लिये 20 घन मीटर।
2. अलौह धातुकर्म	(क) ताप्र-प्रगातक (ख) जिक प्रगातक	प्रति टन उत्पादित ताप्र के लिये 100 घन मीटर। प्रति टन उत्पादित जिक धातु के लिये 50 घन मीटर।
3. रसायन	(क) कास्टिक सोडा (1) पारा सेल प्रसंस्करण (2) शिल्वी सेल प्रसंस्करण	प्रति टन उत्पादित कास्टिक सोडा (शीतलन जल को छोड़कर) के लिये 5 घन मीटर और शीतलन जल के लिये प्रति टन उत्पादित कास्टिक सोडा के लिये 5 घन मीटर। प्रति टन कास्टिक सोडा के लिये 5 घन मीटर जिसमें शीतलन जल भी शामिल है।
4. अम्ला	(क) मानव निर्मित रेशा (1) नाइलोन और पानिएस्टर (2) विस्कोस रेशन	प्रति टन उत्पादित रेशे के लिये 170 घन मीटर। प्रति टन उत्पादित रेशे के लिये 200 घन मीटर।
5. कागज	(क) सघ सुगरी और कागज (1) कृषि अवशेष पर शाधारित (2) अपशिष्ट कागज पर शाधारित	प्रति टन कागज के लिये 200 घन मीटर। प्रति टन कागज के लिये 75 घन मीटर।

(1)	(2)	(3)
	(घ) घूब लुगदी और कागज :-- (1) लुगदी और कागज (2) रेयान श्रेणी लुगदी	प्रति टन कागज के लिये 250 घन मीटर। प्रति टन कागज के लिये 200 घन मीटर।
6. उर्वरक	(क) अजू नाइट्रोजनीय उर्वरक (ख) अजू फास्फेटिक उर्वरक (एकल सुपर फास्फेट और नियुन सुपर फास्फेट, किसी अस्त्र के विनिर्माण को छोड़कर) । (ग) सम्मिश्र उर्वरक	प्रति टन या गमतुल्य उत्पादित पूरिया के लिये 15 घन मीटर। प्रति एकल सुपर फास्फेट/नियुन सुपर फास्फेट के लिये 2 घन मीटर। यदि प्रवान उत्पाद नाइट्रोजनीय उर्वरक है तो प्रति टन 15 घन मीटर और यदि प्रधान उत्पाद फास्फेट उर्वरक है तो प्रति टन 2 घन मीटर।
7. पशु या जनस्थिति उत्पादों का	(क) दर्म-प्राणीय शालाएँ (ख) प्राकृतिक रबर (ग) स्टार्च, गलुकोज और संबंधित उत्पाद (घ) डेरी (ङ) जूट (अ) चीनी (छ) माल्ट्री (ज) निसवनी (झ) मध्य निर्माणशालाएँ	प्रति टन कच्चे केले के लिये 30 घन मीटर। प्रति टन रबर के लिये 8 घन मीटर। प्रति टन पिरो भक्का के लिये 10 घन मीटर। प्रति किलोग्राम प्रसंस्कृत दूध के लिये 4 घन मीटर। प्रति टन प्रसंस्कृत जट के लिये 1.5 घन मीटर। प्रति टन पेरे गये ईंध के लिये 2 घन मीटर। प्रति टन प्रसंस्कृत खाद्याल के लिये 8.5 घन मीटर। प्रति किलोग्राम उत्पादित विमर के लिये एक घन मीटर। प्रति किलोग्राम उत्पादित घल्कोहल के लिये 15 घन मीटर।

[सं. 1/14/91-नी एल-सीपीए]

न. बालचंद्री, निदेशक (प्रूषण नियंत्रण)

पाद-टिप्पण :--मूल नियम भारत के राजपत्र में अधिसूचना सा.का.नि. सं. 378(अ), तारीख 24 जुलाई, 1978 द्वारा प्रकाशित किए गए थे।

MINISTRY OF ENVIRONMENT AND FORESTS

NOTIFICATION

New Delhi, the 28th February, 1992

G.S.R. 311(E).—In exercise of the powers conferred by Section 17 of the Water (Prevention and Control of Pollution) Cess Act, 1977 (36 of 1977), the Central Government hereby make the following rules to amend the Water (Prevention and Control of Pollution) Cess Rules, 1978, namely :

1. (1) These rule may be called the Water (Prevention and Control of Pollution) Cess Amendment Rules, 1992.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Water (Prevention & Control of Pollution) Cess Rules, 1978 (hereinafter referred to as the said rules), rule 4 shall be re-numbered as sub-rule (1) thereof and after sub-rule (1) as so re-numbered, the following sub rule shall be inserted, namely :—

“(2) If the Consumer fails to submit the return as specified in sub-rule (1) the assessing authority or the officer authorised in this regard shall issue a notice in Form IA”.

3. In the said rules, in rule 6, the following provision shall be added at the end namely :

“Provided that a consumer shall not be entitled to the rebate if he :

(a) Consumes water in excess of the maximum quantity specified in column (3) of the First Schedule appended to these rules for the category of industries specified in the corresponding entry in column (2) relating to the specified industry given in column (1) thereto, or

(b) Fails to comply with any of the provisions of section 25 of the Water (Prevention & Control of Pollution) Act, 1974 (6 of 1974) or any of the standards laid down by the Central Govt., under the Environment (Protection) Act, 1986 (29 of 1986)”.

4. In the said rules, after Annexure to Form I, the following form shall be inserted, namely :

"FORM IA

[See rule 4(2)]

Name of the Board:

No.

Dated :

Notice under Section 5(2) of the Water (Prevention & Control of Pollution) Cess Act, 1977 (36 of 1977)

To

Name and Address of the Consumer :

Assessment period :

Whereas you were required to furnish a return as provided under sub-section(1) of Section 5 of the Water (Prevention & Control of Pollution) Cess Act, 1977 (36 of 1977) read with sub-rule (1) of rule 4 of the Water (Prevention and Control of Pollution Cess Rules 1978, by the 5th of _____

And whereas you have failed to furnish the return by the said date :

Now, therefore, you are hereby called upon to furnish the return within 7 days from the date of receipt of this Notice.

In case no return is received within the said period of 7 days, action will be taken for making assessment as per sub section (1A) of section 6 of the aforesaid Act, ex-parte, besides initiating any other legal action as per law against you.

Issuing authority

Place :

Name: _____

Date:

Address: _____

5. In the said rules, after form II, the following schedule shall be added namely :

SCHEDULE

(See rule 6)

Sl. No.	Name of Industry	Category	Maximum quantity of Water
1	2	3	4
1.	Ferrous Metallurgical	Integrated Iron & Steel	20 Cubic metres per tonne of finished steel.
2.	Non-ferrous Metallurgical	(a) Copper Smelters.	100 Cubic metres per tonne of copper produced.
		(b) Zinc Smelters	50 Cubic metres per tonne of Zinc metal produced.
3.	Chemical	(a) Caustic Soda	5 Cubic metres per tonne of caustic soda produced (excluding cooling water) and 5 cubic metres per tonne of caustic soda produced for cooling water.
		(i) Mercury cell process.	
		(ii) Membrane Cell Process.	5 Cubic metres per tonne of caustic soda including cooling water.
4.	Textile	(a) Manmade fibre.	
		(i) Nylon & Polyester.	170 Cubic metre per tonne of fibre produced
		(ii) Viscose rayon	200 Cubic metre per tonne of fibre produced
5.	Paper	(a) Small Pulp and paper.	200 Cubic metre per tonne of paper.
		(i) Agro-residue based	75 Cubic metre per tonne of paper
		(ii) Waste paper based.	
		(b) Large Pulp & Paper:	
		(i) Pulp and Paper	250 Cubic metre per tonne of paper.
		(ii) Rayon grade pulp	200 Cubic metre per tonne of paper

1	2	3	4
6. Fertilizer			
	(a) Straight nitrogenous fertilizer.	15 Cubic metre per tonne of urea or equivalent produced.	
	(b) Straight phosphatic fertilizer (single super phosphate and Triple super phosphate) excluding manufacture of any acid.	2 cubic metre per tonne of Single Super Phosphate/Triple super phosphate.	
	(c) Complex Fertilizer.	15 cubic metre per tonne in case the primary product is a nitrogenous fertilizer and 2 cubic metre per tonne in case the primary product is a phosphatic fertilizer.	
7. Processing of animal or vegetable products industry including processing of milk meat, hides, and skins all agricultural products and their waste.	(a) Tanneries (b) Natural rubber (c) Starch, glucose and related products (d) Dairy (e) Jute. (f) Sugar (g) Maltry (h) Brewery (i) Distillery	30 cubic metre per tonne of raw hide. 6 cubic metre per tonne of rubber. 10 cubic metre per tonne of maize crushed, 4 cubic metre per kilo litre of milk processed. 1.5 cubic metre per tonne of jute processed. 2 cubic metre per tonne of cane crushed. 8.5 cubic metre per tonne of grain processed. 1 cubic metre per kilo litre of beer produced 15 Cubic metre per kilo litre of alcohol produced.	

[Mo.1(14)/91-PL/CPA]
N. BAGCHI, Director Control Pollution

Foot Note:—The Principal Rules were published in the Gazette of India vide Notification G.S.R. 378(F) dated the 24th July, 1978.

